

# न्यूज़ टुडे

## सामाजिक सुरक्षा संहिता (Code on Social Security: CSS) 2020

○ सामाजिक सुरक्षा संहिता 2020, हाल ही में संसद द्वारा पारित तीन श्रम कानून विधेयकों में से एक थी।

### ○ प्रमुख विशेषताएँ

➢ यह नी भिन्न-भिन्न केंद्रीय कानूनों जैसे कर्मचारी भविष्य निधि (Employees Provident Fund) और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 (Miscellaneous Provisions Act, 1952), प्रसूति प्रसुतिया अधिनियम, 1961 (Maternity Benefit Act, 1961) आदि को समेकित करती है।

➢ यह 'गिग कर्मचारियों', 'प्लेटफॉर्म कर्मचारियों' और 'असंगठित कामगारों' तक कल्याणकारी उपायों की सुरक्षा को विस्तरित करती है।

❖ यह जीवन और दिव्यांगता सुरक्षा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ, वृद्धावस्था की सुरक्षा, शिक्षा आदि के संबंध में कर्मचारियों के इन वर्गों के कल्याण हेतु एक योजना का निर्माण करने के लिए प्रावधान करने हेतु केंद्र सरकार को अधिदेशित करती है।

❖ यह अधिनियम भविष्य निधि, रोजगार के दौरान घायल होने पर क्षतिपूर्ति, आवास, बच्चों के लिए शैक्षिक योजनाएँ, श्रमिकों का कौशल उन्नयन, अंतिम संस्कार सहायता और वृद्धावस्था आदि के संबंध में इन कर्मचारियों के लिए योजना निर्माण करने हेतु राज्य सरकारों को अधिदेशित करती है।

➢ इसमें स्व-नियोजित व्यक्तियों को शामिल करने के लिए 'अंतर्राज्यीय प्रवासी श्रमिक' की परिभाषा का भी विस्तार किया गया है।

➢ 20 या अधिक कर्मचारियों वाले सभी प्रतिष्ठानों पर कर्मचारी भविष्य निधि योजना को लागू किया जाएगा।

➢ केंद्र सरकार को राष्ट्रीय आपदा, महामारी या स्थानिक रोग की स्थिति में तीन माह की अवधि के लिए संहिता के प्रावधानों को स्थगित करने का अधिकार प्रदान करती है।

## सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) द्वारा हाइड्रोजन-सीएनजी (H-CNG) के उपयोग की अनुमति देने हेतु अधिसूचना जारी की गई

○ इसका उद्देश्य देश में गाड़ों के लिए हरित ईंधन को बढ़ावा देना है। MoRTH द्वारा परिवहन के लिए स्वच्छ ईंधन (Clean Fuels) के तहत विभिन्न वैकल्पिक ईंधनों (जैसे बायो-सीएनजी, मेथनॉल व इथेनॉल) को अधिसूचित किया जा रहा है।

○ हाइड्रोजन समृद्ध-सीएनजी (H-CNG) हाइड्रोजन और CNG का मिश्रण है, जिसमें आदर्श हाइड्रोजन सांदर्भ 18% है।

➢ CNG संपीडित प्राकृतिक गैस है।

➢ मुख्य रूप से मीथेन युक्त प्राकृतिक गैस के रूप में, CNG पेट्रोल या डीजल की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड, कार्बन मोनोऑक्साइड, नाइट्रोजन ऑक्साइड और पार्टिक्युलेट मैटर जैसे वायु प्रदूषकों का अत्यल्प मात्रा में उत्सर्जन करती है।

### ○ H-CNG के लाभ

➢ पारंपरिक CNG की तुलना में, H-CNG के उपयोग से कार्बन मोनोऑक्साइड का उत्सर्जन 70% तक कम हो सकता है।

➢ अपनी कम ऊर्जा मात्रा के कारण यह हाइड्रोजन से अधिक सुरक्षित है।

➢ मौजूदा CNG आधारभूत संरचना के साथ प्रयोग करने योग्य है, क्योंकि इंजन में अधिक परिवर्तनों की आवश्यकता नहीं है।

○ H-CNG का उपयोग करने में चुनौतियाँ: अनुकूलित हाइड्रोजन और प्राकृतिक गैस के अनुपात का निर्धारण, इसके भंडारण और आपूर्ति हेतु अवसंरचना का अभाव, CNG से अधिक महंगा होना आदि।

○ ऑटोमोबाइल क्षेत्र में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अन्य कदम: हाइड्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों, CNG, बैटरी चालित इलेक्ट्रिक वाहनों, स्वच्छ डीजल वाहनों, स्वच्छ ऊर्जा यात्रीजल और इथेनॉल मिश्रित ईंधन द्वारा चालित वाहनों आदि का समावेश।

## नई राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार नीति-2020 [Science Technology and Innovation Policy (STIP)-2020] में महिला कर्मचारियों को प्रोत्साहन के मानदंड पर संस्थानों का मूल्यांकन किया जाएगा

○ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (DST) की योजना का उद्देश्य अधिक से अधिक महिला नेतृत्वकर्ताओं का सृजन करना है।

### ○ वर्तमान परिदृश्य

➢ "नेशनल टास्क फोर्स ऑन वीमेन इन साइंस" रिपोर्ट के अनुसार भारतीय अनुसंधान एवं विकास (R-&D) से संबद्ध कार्यबल में केवल 15% महिलाएँ हैं, जबकि वैभिन्न औसत 30% है।

➢ टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ फैंडेंसेट रिसर्च (TIFR), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (IIS), भारतीय विज्ञान संस्थानों (IISc) जैसे उच्च स्तरीय संस्थानों में महिला संकाय पदों का प्रतिशत केवल 10-12% है।

➢ वर्ष 1958 में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) द्वारा स्थापित शांति स्वरूप भट्टनागर पुरस्कार विगत 62 वर्षों में 20 से भी कम महिलाओं को प्रदान किया गया है।

○ महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली बाधाएँ: सामाजिक निषेध (महिलाओं के विवृद्ध लैंगिक पूर्वांग, शीघ्र विवाह आदि), संगठनात्मक प्रश्नाएँ (नियमों और कार्यों में लैंगिक भेदभाव, अदृश्य बाधाएँ (लालस सीलिंग) आदि।)

### ○ सरकार द्वारा उठाए गए कदम

➢ किरण (नॉलेज इन्वॉल्मेंट इन रिसर्च एडवांसमेंट थ्रू नर्चरिंग: KIRAN), अनुसंधान एवं विकास के क्षेत्र में अधिक से अधिक महिलाओं को शामिल करके लैंगिक समानता लाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रारंभ की गई एक योजना है।

➢ कर्मी (महिला विश्वविद्यालयों में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए विश्वविद्यालय अनुसंधान कार्यों का समेकन: CURIE), किरण योजना का उप-टटक है, जिसका उद्देश्य महिला विश्वविद्यालयों में अत्याधुनिक अवर्तनणा विकासित करना है।

➢ विज्ञान ज्योति योजना: मेधावी लड़कियों के लिए हाई स्कूल में समान अवसर उपलब्ध कराना ताकि वे उच्च शिक्षा में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित (Science, Technology, Engineering, and Mathematics: STEM) में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

### मुख्य परिभाषाएँ

○ "गिग कर्मचारी" एक ऐसा व्यक्ति होता है, जो कोई कार्य करता है या किसी कार्य-व्यवस्था में भाग लेता है और पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध से इतर गतिविधियों से आय-अर्जन करता है।

○ "लेटेफॉर्म कर्मचारी" वह व्यक्ति होता है, जिसके पास पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के बाहर एक कार्य व्यवस्था होती है, जिसमें संगठन या व्यक्ति, विशेष समस्याओं को हल करने या विशेष सेवाओं की आपूर्ति करने के लिए अथवा भुगतान के प्रतिफल में केंद्र सरकार द्वारा अधिसूचित किन्हीं अन्य गतिविधियों हेतु ऑनलाइन मंच का उपयोग करते हैं।

○ "असंगठित कर्मचारी" से तात्पर्य एक घेरेलू कर्मी, स्व-नियोजित कर्मचारी या असंगठित क्षेत्र में श्रम करने वाले श्रमिक से है तथा इसमें संगठित क्षेत्र में कार्यरत वह श्रमिक भी है, जिसे औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 द्वारा शामिल नहीं किया गया है।

○ "अन्तर्राज्यीय प्रवासी कर्मचारी" में वह व्यक्ति शामिल है, जो एक राज्य से दूसरे राज्य में स्वयं आया है और उस दूसरे राज्य में उसने एक प्रतिष्ठान में नियोजन (रोजगार) प्राप्त किया है।

## विवादित क्षेत्र नागोर्नो-काराबाख के कारण अर्मेनिया व अज़रबैजान के मध्य हिंसक संघर्ष हुआ

○ दक्षिण काकेशस में नागोर्नो-काराबाख को अंतर्राष्ट्रीय रूप से अज़रबैजान के क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है, परन्तु यहाँ अधिकतर अर्मेनियाई आबादी निवास करती है, जो लगभग एक शताब्दी से अधिक समय से यहाँ अज़रबैजान के शासन का विरोध कर रही है।

○ वर्ष 1991 में इस क्षेत्र ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी और तब से इसके द्वारा यहाँ अर्मेनियाई समर्थन से शासन किया जा रहा है।

○ दोनों पक्षों के मध्य शांति वार्ता तब से चल रही है, जब से यूरोप में सुरक्षा और सहयोग संगठन (Organization for Security and Co-operation in Europe: OSCE) मिन्स्क समूह द्वारा मध्यस्थिता की गई थी। यह वर्ष 1992 में स्थापित एक निकाय है तथा इसका नेतृत्व फ्रांस, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किया जाता है।

➢ दोनों पक्षों ने अब तक किसी भी शांति संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं।

### ○ संघर्ष का प्रभाव:

➢ क्षेत्रीय तनाव: रूस, तुर्की और ईरान जैसी क्षेत्रीय शक्तियों ने दक्षिण काकेशस में भिन्न-भिन्न स्तरों पर निवेश किया हुआ है। संघर्ष में वृद्धि एक बड़े क्षेत्रीय विवाद का कारण बन सकती है।

➢ आर्थिक प्रभाव: यह क्षेत्र विश्व के बाजारों में तेल और गैस परिवहन की पाइपलाइनों के लिए एक गलियारे के रूप में कार्य करता है।

❖ अज़रबैजान यूरोप की गैस और तेल की कुल मांग की लगभग 5% की आपूर्ति करता है, जो रूस पर यूरोपीय संघ की निर्भरता को कम करने में सहायक है।

➢ अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा (International North-South Transport Corridor: INSTC): INSTC भारत, रूस, ईरान, यूरोप और मध्य एशिया के मध्य माल दुलाई के लिए जल, रेल और सड़क मार्ग (अज़रबैजान से मार्गों होते हुए मुंबई से चाबहार तक जाता है।)



द्रांसकाकेश्या (जिसे दक्षिणी काकेश्या भी कहा जाता है) उत्तर में रूस, पूर्व में कैस्पियन सागर, दक्षिण में ईरान और तुर्की तथा पश्चिम में काला सागर से घिरा हुआ क्षेत्र है।

## रक्षा मंत्री ने रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (Defence Acquisition Procedure: DAP) - 2020 का अनावरण किया

- भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के अपने अंतिम उद्देश्य के साथ आत्मनिर्भर भारत के प्रयोजन के अनुरूप तथा "भेक इन इंडिया" पहल के माध्यम से भारतीय घरेलू उद्योग के सशक्तिकरण हेतु DAP-2020 जारी किया गया है।
- DAP चिकित्सा उपकरणों को छोड़कर, सभी स्वदेशी और निर्यात-आयात दोनों से रक्षा मंत्रालय एवं सेना मुख्यालय द्वारा किए गए सभी पूँजीगत अधिग्रहणों को शामिल करेगा।
- प्रारूप की प्रमुख विशेषताएँ
  - > कुछ श्रेणियों के लिए भारतीय विक्रेताओं को आरक्षण प्रदान किया गया है, जैसे-खरीद (भारतीय-IDDM (स्वदेशी रूप से अभियन्ति, विकसित व विनिर्मित)), मेक-१ (70% तक सरकार द्वारा वित्त पोषित), मेक-२ (उद्योग द्वारा वित्त पोषित) आदि।
  - > स्वदेशी सामग्री (Indigenous Content: IC) का संवर्द्धन (सारणी देखें), IC के सत्यापन की सरल प्रक्रिया, स्वदेशी सैन्य सामग्री के उपयोग को बढ़ावा देना आदि।
  - > लीजिंग (पट्टे पर देना) को वृहद प्रारंभिक पूँजी परिव्यय के प्रतिस्थापन हेतु आवधिक किराये के भुगतान के साथ अधिग्रहण की एक नई श्रेणी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।
  - > सॉफ्टवेयर और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (Information Communication Technology: ICT) के आधार पर उपकरण तथा प्लॉटफॉर्म की खरीद के लिए नया अथाय समाविष्ट किया गया है।
  - > रक्षा उपकरणों की खरीद में कोई ऑफसेट कलॉर्ज नहीं होगा, यदि सौदा अंतर-सरकारी समझौते, या सरकारों के मध्य अथवा प्रारंभिक एकल विक्रेता के माध्यम से किया जाता है।

श्रेणी	रक्षा खरीद प्रक्रिया (DPP)-2016 में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत	DAP-2020 में स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत
खरीद (भारतीय- IDDM)	न्यूनतम 40%	न्यूनतम 50%
खरीद (भारतीय)	न्यूनतम 40%	स्वदेशी डिजाइन – न्यूनतम 50% अन्य – न्यूनतम 60%
खरीद और निर्माण (भारतीय)	निर्माण का न्यूनतम 50%	निर्माण का न्यूनतम 50%
खरीद (वैश्विक – भारत में निर्माण)	-----	खरीद + निर्माण का न्यूनतम 50%
खरीद (वैश्विक)	-----	भारतीय विक्रेताओं के लिए न्यूनतम 30%

ऑफसेट नीति के तहत, कुछ अनुबंधों के लिए विदेशी रक्षा संस्थाओं को घटकों की खरीद, प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण या अनुसंधान और विकास सुविधा केंद्रों की स्थापना के माध्यम से भारत में कुल अनुबंध मूल्य का एक निश्चित प्रतिशत व्यय करना अनिवार्य है।

## अन्य सुर्खियाँ

<b>मौद्रिक नीति समिति (Monetary Policy Committee: MPC)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ MPC, भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के गवर्नर की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय समिति है। इनमें से तीन सदस्य RBI से होते हैं, जबकि तीन अन्य सदस्य केंद्र सरकार द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।</li> <li>○ इसका मुख्य उद्देश्य मूल्य स्थिरता को बनाए रखना और देश की अर्थव्यवस्था की विकास दर में वृद्धि के उपाय करना है।</li> <li>○ इसे विभिन्न नीतिगत दरों जैसे- रेपो दर, रिवर्स रेपो दर और चल निधि समायोजन सुविधा आदि निर्धारित करने का उत्तरदायित्व प्रदान किया गया है।</li> </ul>
<b>ईएसजी फंड (ESG funds)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ ईएसजी फंड्स, निवेश के दौरान कंपनी के पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व और कॉर्पोरेट अभिशासन (Governance) जैसे पहलुओं में महत्वपूर्ण कारक होते हैं।</li> <li>○ विशेषकर बड़े और संस्थागत निवेशक (जैसे पेंशन फंड) विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप में, अब उन कंपनियों में तेजी से निवेश कर रहे हैं, जो ESG मानकों को पूरा करती हैं।</li> <li>○ भारत में यह अवधारणा अभी नई है, परन्तु कई बड़े ऋणदाताओं ने अपने ESG फंड जारी कर दिए हैं। ➤ SBI मैग्नम इक्विटी ESG फंड के रूप में प्रथम ESG फंड भारतीय स्टेट बैंक द्वारा लॉन्च किया गया है।</li> </ul>
<b>उमांग एप्लिकेशन (नए युग के शासन के लिए एकीकृत मोबाइल एप्लिकेशन) (UMANG: Unified Mobile Application for New-age Governance)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ UMANG सभी भारतीय नागरिकों को केंद्रीय सरकार से लेकर स्थानीय शासन निकायों और अन्य नागरिक कॉंट्रिट सेवाओं तक अखिल भारतीय e-Gov सेवाओं का उपयोग करने के लिए एक एकल मंच प्रदान करता है।</li> <li>○ इसे भारत में मोबाइल गवर्नेंस के संचालन के लिए इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग द्वारा विकसित किया गया है। ➤ यह डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत सभी सरकारी सेवाओं तक पहुँच स्थापित करने हेतु एक एकल बिंदु को सुगम बनाने के लिए एक साझा, एकीकृत प्लॉटफॉर्म और मोबाइल ऐप विकसित करने की प्रमुख पहलों में से एक है।</li> </ul>
<b>फूड फोर्टिफिकेशन (Food Fortification)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) का लक्ष्य खाद्य तेल का विटामिन A और D के साथ फोर्टिफिकेशन करना है, जो प्रतिरक्षा को बढ़ाने में सहायता करते हैं।</li> <li>○ फोर्टिफिकेशन से तात्पर्य प्रमुख पोषक तत्वों और खनियों जैसे आयरन, आयोडीन, जिंक, विटामिन A और D के अतिरिक्त चावल, गेहूं, तेल, दूध और नमक जैसे प्रधान खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों की मात्रा में वर्धन करने से है। ➤ ये पोषक तत्व प्रसंस्करण से पूर्वी भौजन में मूल रूप में मौजूद हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते हैं अथवा प्रसंस्करण के दौरान उनके नष्ट हो जाने की संभावना होती है।</li> <li>○ फूड फोर्टिफिकेशन एक वैज्ञानिक रूप से सिद्ध, लागत प्रभावी, मापनीय और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप है, जो सूक्ष्म पोषक तत्वों के अभाव के मुद्दे का समाधान करता है।</li> </ul>
<b>हिमालयन चंद्र टेलीस्कोप (Himalayan Chandra Telescope: CT)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ यह ऑप्टिकल-इफ्रारेड टेलीस्कोप है जिसका उद्देश्य सौर प्रणाली के पिंडों और बाह्य आकाशगंगाओं में तारों के निर्माण की प्रक्रिया का अध्ययन करना है। इसे भारतीय खगोलीय वेदशाला (IAO), लद्दाख में स्थापित किया गया है। ➤ इसका नाम भारत में जन्मे नोबल पुरस्कार विजेता सुब्रह्मण्यम चंद्रशेखर के नाम पर रखा गया है।</li> <li>○ इसे भारतीय तारामीतीकी संस्थान (Indian Institute of Astrophysics: IIA) के अंतर्गत सेंटर फॉर रिसर्च एंड एजुकेशन इन साईंस एंड टेक्नोलॉजी (CREST) से एक समर्पित उपग्रह संचार लिंक का उपयोग करके संचालित किया जा रहा है।</li> </ul>
<b>डेस्टिनेशन नॉर्थ ईस्ट-2020 (Destination North East-2020)</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा आयोजित एक वार्षिक उत्सव है।</li> <li>○ इसका उद्देश्य राष्ट्रीय-एकीकरण को सुदृढ़ करने के लिए उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का देश के अन्य हिस्सों के साथ संपर्क स्थापित करना तथा उन्हें एक-दूसरे के निकट लाना है।</li> <li>○ इस वर्ष के लिए, इसका विषय (थीम) "द इमर्जिंग डिलाइटफुल डेस्टिनेशंस" है।</li> </ul>
<b>शहीद भगत सिंह (28 सितंबर 1907 – 24 मार्च, 1931) [Shaheed Bhagat Singh (28 September 1907 – 24th March 1931)]</b>	<ul style="list-style-type: none"> <li>○ वर्ष 1924 में भगत सिंह हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन के सदस्य बने, वर्ष 1925–26 में नौजवान भारत सभा की स्थापना की और वर्ष 1928 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) के सह-संस्थापक रहे थे।</li> <li>○ वह सेंट्रल असेंबली बम कांड से जुड़े हुए थे और लाहौर बड़यांत्र मामले में उन पर मुकदमा चलाया गया था।</li> <li>○ भगत सिंह को राजगुरु व सुखदेव के साथ सॉन्डर्स की हत्या के मामले में आरोपित किया गया था। तीनों को 24 मार्च 1931 को फांसी दे दी गई थी।</li> <li>○ 'मैं नास्तिक क्यों हूँ' (Why am I an atheist) उनकी एक कृति है।</li> </ul>

8468022022, 9019066066  
www.visionias.in

